A-0160

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAHL-506

M.A. HINDI (MAHL)

मध्यकालीन कविता (भाग दो)

2nd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. भारतीय भक्ति परम्परा में मीरा के कृष्ण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. रीतिकालीन कविता का मूल्यांकन कीजिए।

3. सिद्ध कीजिए कि बिहारी रीतिकाल के प्रतिनिधि कवि है तथा बिहारी सतसई की भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. महाकवि केशवदास के काव्य की भावपक्षीय विशेषताएँ बताइए।

5. मतिराम के काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. घनानन्द की भक्ति भावना पर संक्षेप में अपने विचार दीजिए।

2. मतिराम के ग्रंथ 'फूल मंजरी' पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

3. केशव की दो वीरगाथात्मक रचनाओं के नाम लिखिए।

4. अर्थ बताइए :

"कब को टेरन दीन रट, होत न स्याम सहाइ।

तुमहूँ लागि जगत–गुरु, जग–नामक जग–बाइ॥"

5. भक्तिकाल व रीतिकाल में अंतर स्पष्ट कीजिए।

6. संत काव्य परम्परा में गुरु नानक के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

7. निम्नलिखित शब्दों पर टिप्पणी लिखिए :

   (अ) रीतिकाल : नामकरण की समस्या

   (ब) वियोग शृंगार रस के मुख्य भेद

8. अर्थ बताइए :

   ''सुनि-सुनि गुन सब गोपिकानि समुभयो सरस सवाद।

   कढ़ी अधर की माधुरी मूरली है करि नाद॥''

****